एस.एस.जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

Minority Institutiony Approved by NCTE and Govt. of Rajasthan,
Affiliated to University of Rajasthan Accredited by NAAC - UGC-2f
PNOC by State Govt. and University of Rajasthan

"दिग्दर्शिका" – 2023–25

फोन :0141–2794216,2791864, फैक्स नं.: 0141–2794217

subodhttcollegejaipur@yahoo.com www.subodhttcollege.com

WELCOME

विचार–विमर्श श्रृंखला
''मंथन''

आशीर्वचन

सुबोध शिक्षा समिति व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित कर समाज को एक उत्पादक इकाई के रुप में आदर्श नागरिक देने के लिए कृत संकल्प है। इसी श्रृंखला में एस.एस.जैन सुबोध बी.एड. महाविद्यालय की स्थापना 2005 में की गई थी। हमारे लिए गौरव का विषय है कि यह संस्था वर्तमान समय में प्रशिक्षण जगत के सभी पाठ्यक्रमों यथा बी.ए.-बी.एड. / बी.एस.सी.-बी.एड. / पी.एच.डी. / एम. एड. / बी.एड. / डी.एल.एड. के नियमित शिक्षण के साथ-साथ सफलता के सोपानों की ओर अग्रसर हो रही है। जो देश के भावी कर्णधारों की भविष्य निर्मात्री है।

प्रतिस्पर्धा के इस युग में महाविद्यालय का उद्देश्य नई शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं पर आधारित विषय वस्तु को विद्यार्थियों तक सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत करना भी है। उसी का परिणाम है कि महाविद्यालय की छात्रायें अपने शिक्षक प्रशिक्षण कोर्स के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने हेतु आवश्यक योग्यताऐं जैसे- एम.एड., बी.एड., डी.एल.एड., बी.ए.-बी.एड./बी.एस.सी.-बी.एड. के साथ-साथ रीट, नेट, प्रथम-द्वितीय व तृतीय श्रेणी व्याख्याता पदों हेतु तैयारी कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान कर रही हैं।

हमारा संकल्प है कि गुणवत्ता व कौशलाधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रम का संचालन कर समाज के लिए जागरुक, सशक्त एवं आत्मनिर्भर युवा पीढ़ी का निर्माण कर वैश्वीकरण के इस युग में सुन्दर सभ्य एवं सशक्त समाज का निर्माण कर सके।

विनोद लोढ़ा
सहमंत्री
एस.एस.जैन सुबोध शिक्षा समिति

हार्दिक शुभकामना

मेरी बात...

यह मेरे लिए अपार हर्ष की बात है कि आपने अध्ययन हेतु अनेक शिक्षण संस्थाओं के कुशल संचालन करने वाली एस. एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति द्वारा संचालित इस महाविद्यालय का चयन किया है। मै सुबोध परिवार में आपका स्वागत करती हूँ। हमारा सदैव यह प्रयास रहा है कि हमारे महाविद्यालय में श्रेष्ठ व नवाचार प्रणाली द्वारा उच्च स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराई जाये।

हमारी इसी सजगता से शिक्षा जगत में हमारी संस्था ने एक अलग पहचान बनाई है। जो वर्तमान में राजस्थान सरकार व राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा स्थाई मान्यता प्राप्त बी. एड़ व एम.एड़ पाठ्यक्रम का संचालन कर रही है। हमारे लिए गौरव का विषय है कि शिक्षक प्रशिक्षण से सम्बन्धित पाठ्यक्रम यथा पी.एच.डी., एम.एड़, बी.एड़, साथ-साथ ही डी.एल.एड़ , 4 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम बी.ए.-बी.एड़, बी.ए.सी.-बी.एड व रिसर्च सेन्टर में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का संचालन भी करवाया जा रहा है।

हमारे महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है एंव एम. एड. पाठ्यक्रम में गत दो वर्षो से लगातार स्वर्ण पदक व बी. एड़. पाठ्यक्रम में भी सत्र-2022-23 स्वर्ण प्राप्त पदक करना हमारी जागरुकता व अध्ययन प्रणाली की श्रेष्ठता को दर्शाता है। शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान करते हुए हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

प्रशिक्षणावधि के दौरान हमारे अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक आपके व्यक्तित्व निखार व शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने हेतु पूर्णत: निष्ठा व प्रतिबद्धता रखते हैं।

हम आपको विश्वास दिलाते है, कि आपका भविष्य सुरक्षित हाथों में हैं और हम उच्च शिक्षा व संस्कारों के माध्यम से आपके भविष्य निर्माण की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। हम आपके और आपके अभिभावकों के आभारी होगें, यदि आप हमें बहुमूल्य समय में से कुछ समय निकाल कर हमारी अध्ययन प्रणाली की समीक्षा करते हुये, हमें वास्तविकता से अवगत कराते रहेंगे।

आपकी यह प्रतिपुष्टि ही हमें बेहतर शिक्षा की ओर सतत् अग्रसर रखेगी और हम अधिक सुविधायें व सुखद परिणाम देने में समर्थ होंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना के साथ...

श्रीमती मधु मोदी
संयोजिका

प्राचार्य की कलम से...

महिला शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिये समर्पित एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का सदस्य बनने का गौरव जो आपने श्रेष्ठता के आधार पर हासिल किया है उसके लिये मैं सुबोध परिवार की ओर से आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ।

एस.एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना सुबोध शिक्षा समिति द्वारा 2005 में सांगानेर परिसर में (50832 वर्ग मी. के क्षेत्र में) प्राकृतिक नैसर्गिक वातावरण में बी.एड. पाठ्यक्रम (100 सीट) के रूप में की गई।

वर्तमान में महाविद्यालय में पी.एचडी. पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), एम.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), बी.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (200 विद्यार्थी), डी.एल.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), बी.एससी. बी.एड. (50 विद्यार्थी),बी.ए. बी.एड. (50विद्यार्थी) पाठ्यक्रम संचालित है। महाविद्यालय में सभी विषयों एवं संकाय अनुसार प्रयोगशालाएँ पूर्णतः सुसज्जित है।

एन.सी.टी.ई. व राजस्थान विश्वविद्यालय के नियमानुसार एम.एड., बी.एड., बी.एस.सी.-बी.एड़, बी.ए. -बी.एड., पाठ्यक्रम हेतु कुल स्टाफ सदस्यों (41) सदस्यों में से 32 अनुमोदित है जिनमें में से 31 पी. एच.डी. व 27 नेट योग्यताधारी के अतिरिक्ति 4 व्याख्यातागण पी.एचडी. शोधकार्य हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों में पंजीकृत हो चुके है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप महाविद्यालय में छात्राध्यापिकाओं के सुन्दर भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए कौशलाधारित, अनुसंधानात्मक, वैज्ञानिक वैचारिक दृष्टिकोण विकासत करने का हर संभव प्रयास किया जाता है। छात्राध्यापिकाओं में शोध एवं अनुसंधान की अभिवृति एवं अभियोग्यता एवं अभिक्षमता विकसित करते हुए उन्हें समाज की एक उत्पादक इकाई के रूप में पहचान दिलाने हेतु कृत संकल्पित है।

यह महाविद्यालय गुलाबी नगरी की उन कतिपय संस्थाओं में से एक है जो निष्ठापूर्वक छात्राध्यापिकाओं में ज्ञान ज्योति प्रज्ज्वलित कर, उनमें सेवा भावना, प्रेम, करुणा, त्याग कर्तव्यपरायणता, निष्ठा जैसे गुरुत्तर गुणों को विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह अपार हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षण जगत् में अपनी विशिष्ट पहचान कायम करते हुये आधुनिक समाज की मांग एवं आवश्यकतानुसार अध्यापकोचित गुणों से परिपूर्ण शिक्षिकायें समाज को प्रदान कर विकास एवं सफलता के सोपानों की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा हैं।

सफलता का शिखर छूने वाले सभी व्यक्ति दृढ़ इच्छा शक्ति एवं लक्ष्योन्मुख व्यक्तित्व के धनी होते हैं। हम महाविद्यालय में ऐसा शैक्षिक एवं सामाजिक वातावरण उपलब्ध करवाने के लिये कृतसंकल्प है जो आपको अपने लक्ष्य की दिशा में अग्रणी बनाता है। महाविद्यालय के प्राकृतिक तथा नैसर्गिक वातावरण में शिक्षा के मूल लक्ष्य सर्वांगीण विकास को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है।

मैं आपसे इस संकल्प एवं विश्वास पर खरा उतरने के लिये यह अपेक्षा करती हूँ कि आप इस संस्था के स्वच्छ नैसर्गिक, शैक्षिक वातावरण में रहते हुये अनुशासित, सुसंस्कृत, मृदुभाषी, आदर-सत्कार की भावना से ओतप्रोत गुणों को आत्मसात् कर एवं अनुकरणीय परम्पराओं एवं उच्च आदर्शों द्वारा भावी पीढ़ी का उज्ज्वल मार्गदर्शन करेगी। आपके प्रयास एवं संकल्प सफलता के शिखर की ओर अनवरत अग्रसर हो, इस शुभकामना के साथ .....

प्राचार्य

डॉ. (श्रीमती) यदु शर्मा

सुबोध शताब्दी गीत

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2
जब शिक्षा की कहीं बात चले तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा
माध्व मुनि की प्रेरणा से, शुरु हुआ ये सवेरा
ये सुबोध संस्थान हमारा

1. इक संस्था से शुरु हुआ सफर कई संस्थाओं पर पहुँचा
सुबोध.....4
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, हर ओर हुआ उजियारा,
चहुँ ओर हुआ उजियारा
अज्ञानता का तिमिर मिटाकर ज्ञान का दीप जलाया
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध.....2

2. नर्सरी कक्षा से उच्च शिक्षा दे संस्थान हमारा
सुबोध.....4
जहाँ विशिष्ट शिक्षाविद् बहाते, ज्ञान की पावन धारा
ये ज्ञान की पावन धारा
यहाँ हजारो बच्चे शिक्षा पाते, ज्ञान का मन्दिर प्यारा
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2

3. नैतिकता और राष्ट्रधर्म का जिसने बोध कराया।
सुबोध.....2
शिक्षा में सौ वर्षो का, स्वर्णिम इतिहास बनाया
स्वर्णिम इतिहास बनाया

कहे राजा सदा फले और फूले ये संस्थान हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...
जब शिक्षा की कहीं बात चलें तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

महाविद्यालय कार्यक्रम

1. अन्तर्महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता ''आरोहण''
2. वार्षिकोत्सव ''उत्कर्ष''
3. एल्यूमिनाई मीट
4. सत्रारंभ समारोह (गणपति वंदना, माँ वागेश्वरी अर्चना) छात्रों को आचार संहिता से अवगत कराना।
5. दैनिक ईश वन्दना, भारत माँ की वन्दना, महान विभूतियों के अमूल्य वचनों, दैनिक समाचारों से अवगत कराना व राष्ट्रीयता की भावना का विकास।
6. शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने के लिये कार्यशाला एवं प्रदर्शनी
7. निर्देशन एवं परामर्श (सदनानुसार)
8. उपचारात्मक अनुदेशन
9. शारीरिक कार्यक्रम योग व खेलकूद
10. साहित्यिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ (वाद-विवाद, आशु भाषण, परिचर्चा, परिसंवाद, निबन्ध प्रतियोगिता, शिक्षाविदों के द्वारा व्याख्यान माला)
11. परिचयात्मक गोष्ठी एवं प्रतिभा खोज / विषय वस्तु आधारित परीक्षा / इकाई परीक्षा
12. अध्यापक अभ्यास कार्यक्रम / इन्टर्नशिप
13. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् निर्धारित समस्त प्रायोगिक कार्यक्रम।
14. सांस्कृतिक कलात्मक एवं,कौशलाधारित कार्यक्रम
15. समाजोपयोगी कार्यक्रम एवं श्रमदान (सभी सदनों के द्वारा)
16. प्रशिक्षणार्थियों में आध्यात्मिक और नैतिक जागृति हेतु शिविर
17. अन्तर्महाविद्यालय शैक्षिक संगोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन एवं कार्यशाला का आयोजन।
18. ज्ञान और कौशल परीक्षण **(TEQT)**

सुबोध शताब्दी गीत

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2
जब शिक्षा की कहीं बात चले तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा
माध्व मुनि की प्रेरणा से, शुरु हुआ ये सवेरा
ये सुबोध संस्थान हमारा

1. इक संस्था से शुरु हुआ सफर कई संस्थाओं पर पहुँचा
सुबोध.....4
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, हर ओर हुआ उजियारा,
चहुँ ओर हुआ उजियारा
अज्ञानता का तिमिर मिटाकर ज्ञान का दीप जलाया
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध.....2

2. नर्सरी कक्षा से उच्च शिक्षा दे संस्थान हमारा
सुबोध.....4
जहाँ विशिष्ट शिक्षाविद् बहाते, ज्ञान की पावन धारा
ये ज्ञान की पावन धारा
यहाँ हजारो बच्चे शिक्षा पाते, ज्ञान का मन्दिर प्यारा
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2

3. नैतिकता और राष्ट्रधर्म का जिसने बोध कराया।
सुबोध.....2
शिक्षा में सौ वर्षो का, स्वर्णिम इतिहास बनाया
स्वर्णिम इतिहास बनाया

कहे राजा सदा फले और फूले ये संस्थान हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...
जब शिक्षा की कहीं बात चलें तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

महाविद्यालय कार्यक्रम

1. अन्तर्महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता ''आरोहण''
2. वार्षिकोत्सव ''उत्कर्ष''
3. एल्यूमिनाई मीट
4. सत्रारंभ समारोह (गणपति वंदना, माँ वागेश्वरी अर्चना) छात्रों को आचार संहिता से अवगत कराना।
5. दैनिक ईश वन्दना, भारत माँ की वन्दना, महान विभूतियों के अमूल्य वचनों, दैनिक समाचारों से अवगत कराना व राष्ट्रीयता की भावना का विकास।
6. शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने के लिये कार्यशाला एवं प्रदर्शनी
7. निर्देशन एवं परामर्श (सदनानुसार)
8. उपचारात्मक अनुदेशन
9. शारीरिक कार्यक्रम योग व खेलकूद
10. साहित्यिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ (वाद-विवाद, आशु भाषण, परिचर्चा, परिसंवाद, निबन्ध प्रतियोगिता, शिक्षाविदों के द्वारा व्याख्यान माला)
11. परिचयात्मक गोष्ठी एवं प्रतिभा खोज / विषय वस्तु आधारित परीक्षा / इकाई परीक्षा
12. अध्यापक अभ्यास कार्यक्रम / इन्टर्नशिप
13. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् निर्धारित समस्त प्रायोगिक कार्यक्रम।
14. सांस्कृतिक कलात्मक एवं,कौशलाधारित कार्यक्रम
15. समाजोपयोगी कार्यक्रम एवं श्रमदान (सभी सदनों के द्वारा)
16. प्रशिक्षणार्थियों में आध्यात्मिक और नैतिक जागृति हेतु शिविर
17. अन्तर्महाविद्यालय शैक्षिक संगोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन एवं कार्यशाला का आयोजन।
18. ज्ञान और कौशल परीक्षण **(TEQT)**

सुबोध शताब्दी गीत

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2
जब शिक्षा की कहीं बात चले तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा
माध्व मुनि की प्रेरणा से, शुरु हुआ ये सवेरा
ये सुबोध संस्थान हमारा

1. इक संस्था से शुरु हुआ सफर कई संस्थाओं पर पहुँचा
सुबोध.....4
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, हर ओर हुआ उजियारा,
चहुँ ओर हुआ उजियारा
अज्ञानता का तिमिर मिटाकर ज्ञान का दीप जलाया
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध.....2

2. नर्सरी कक्षा से उच्च शिक्षा दे संस्थान हमारा
सुबोध.....4
जहाँ विशिष्ट शिक्षाविद् बहाते, ज्ञान की पावन धारा
ये ज्ञान की पावन धारा
यहाँ हजारो बच्चे शिक्षा पाते, ज्ञान का मन्दिर प्यारा
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2

3. नैतिकता और राष्ट्रधर्म का जिसने बोध कराया।
सुबोध.....2
शिक्षा में सौ वर्षो का, स्वर्णिम इतिहास बनाया
स्वर्णिम इतिहास बनाया

कहे राजा सदा फले और फूले ये संस्थान हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...
जब शिक्षा की कहीं बात चलें तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

महाविद्यालय कार्यक्रम

1. अन्तर्महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता ''आरोहण''
2. वार्षिकोत्सव ''उत्कर्ष''
3. एल्यूमिनाई मीट
4. सत्रारंभ समारोह (गणपति वंदना, माँ वागेश्वरी अर्चना) छात्रों को आचार संहिता से अवगत कराना।
5. दैनिक ईश वन्दना, भारत माँ की वन्दना, महान विभूतियों के अमूल्य वचनों, दैनिक समाचारों से अवगत कराना व राष्ट्रीयता की भावना का विकास।
6. शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने के लिये कार्यशाला एवं प्रदर्शनी
7. निर्देशन एवं परामर्श (सदनानुसार)
8. उपचारात्मक अनुदेशन
9. शारीरिक कार्यक्रम योग व खेलकूद
10. साहित्यिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ (वाद-विवाद, आशु भाषण, परिचर्चा, परिसंवाद, निबन्ध प्रतियोगिता, शिक्षाविदों के द्वारा व्याख्यान माला)
11. परिचयात्मक गोष्ठी एवं प्रतिभा खोज / विषय वस्तु आधारित परीक्षा / इकाई परीक्षा
12. अध्यापक अभ्यास कार्यक्रम / इन्टर्नशिप
13. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् निर्धारित समस्त प्रायोगिक कार्यक्रम।
14. सांस्कृतिक कलात्मक एवं,कौशलाधारित कार्यक्रम
15. समाजोपयोगी कार्यक्रम एवं श्रमदान (सभी सदनों के द्वारा)
16. प्रशिक्षणार्थियों में आध्यात्मिक और नैतिक जागृति हेतु शिविर
17. अन्तर्महाविद्यालय शैक्षिक संगोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन एवं कार्यशाला का आयोजन।
18. ज्ञान और कौशल परीक्षण **(TEQT)**

सुबोध शताब्दी गीत

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2
जब शिक्षा की कहीं बात चले तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा
माध्व मुनि की प्रेरणा से, शुरु हुआ ये सवेरा
ये सुबोध संस्थान हमारा

1. इक संस्था से शुरु हुआ सफर कई संस्थाओं पर पहुँचा
सुबोध.....4
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, हर ओर हुआ उजियारा,
चहुँ ओर हुआ उजियारा
अज्ञानता का तिमिर मिटाकर ज्ञान का दीप जलाया
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध.....2

2. नर्सरी कक्षा से उच्च शिक्षा दे संस्थान हमारा
सुबोध.....4
जहाँ विशिष्ट शिक्षाविद् बहाते, ज्ञान की पावन धारा
ये ज्ञान की पावन धारा
यहाँ हजारो बच्चे शिक्षा पाते, ज्ञान का मन्दिर प्यारा
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2

3. नैतिकता और राष्ट्रधर्म का जिसने बोध कराया।
सुबोध.....2
शिक्षा में सौ वर्षो का, स्वर्णिम इतिहास बनाया
स्वर्णिम इतिहास बनाया

कहे राजा सदा फले और फूले ये संस्थान हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...
जब शिक्षा की कहीं बात चलें तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

महाविद्यालय कार्यक्रम

1. अन्तर्महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता ''आरोहण''
2. वार्षिकोत्सव ''उत्कर्ष''
3. एल्यूमिनाई मीट
4. सत्रारंभ समारोह (गणपति वंदना, माँ वागेश्वरी अर्चना) छात्रों को आचार संहिता से अवगत कराना।
5. दैनिक ईश वन्दना, भारत माँ की वन्दना, महान विभूतियों के अमूल्य वचनों, दैनिक समाचारों से अवगत कराना व राष्ट्रीयता की भावना का विकास।
6. शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने के लिये कार्यशाला एवं प्रदर्शनी
7. निर्देशन एवं परामर्श (सदनानुसार)
8. उपचारात्मक अनुदेशन
9. शारीरिक कार्यक्रम योग व खेलकूद
10. साहित्यिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ (वाद-विवाद, आशु भाषण, परिचर्चा, परिसंवाद, निबन्ध प्रतियोगिता, शिक्षाविदों के द्वारा व्याख्यान माला)
11. परिचयात्मक गोष्ठी एवं प्रतिभा खोज / विषय वस्तु आधारित परीक्षा / इकाई परीक्षा
12. अध्यापक अभ्यास कार्यक्रम / इन्टर्नशिप
13. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् निर्धारित समस्त प्रायोगिक कार्यक्रम।
14. सांस्कृतिक कलात्मक एवं,कौशलाधारित कार्यक्रम
15. समाजोपयोगी कार्यक्रम एवं श्रमदान (सभी सदनों के द्वारा)
16. प्रशिक्षणार्थियों में आध्यात्मिक और नैतिक जागृति हेतु शिविर
17. अन्तर्महाविद्यालय शैक्षिक संगोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन एवं कार्यशाला का आयोजन।
18. ज्ञान और कौशल परीक्षण **(TEQT)**

एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति के सजग प्रहरी

नवरत्न कोठारी
अध्यक्ष

रमेश चन्द्र जैन
उपाध्यक्ष

सुमेर सिंह बोथरा
मानद् मंत्री

विनोद लोढ़ा
सह मंत्री

श्री एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति के अन्तर्गत संचालित संस्थाऐं

सुबोध ग्लोबल स्कूल अजमेर रोड.	2024
सुबोध प्ले स्कूल,देव नगर	2023
एस.एस. जैन सुबोध कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेन्स, सीतापुरा	2015
एस.एस. जैन सुबोध बॉयज हॉस्टल, मानसरोवर	2014
एस.एस. जैन सुबोध मैनेजमेन्ट इन्स्टीट्यूट, मानसरोवर	2012
एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज, मानसरोवर	2011
एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज वीमेन्स हॉस्टल, सांगानेर	2008
एस.एस. जैन सुबोध महिला छात्रावास, सांगानेर	2005
एस.एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सांगानेर	2005
एस.एस. जैन सुबोध गर्ल्स कॉलेज, सांगानेर	2004
सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर	2004
एस.एस. जैन सुबोध एम.सी.ए. इन्स्टीट्यूट, रामबाग सर्किल	2003
एस.आई.आई.टी., रामबाग सर्किल	2000
एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महिला महाविद्यालय, रामबाग सर्किल	1999
सुबोध इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड कॅरियर स्टडीज, रामबाग सर्किल	1999
सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग सर्किल	1985
एस.एस. जैन सुबोध कॉमर्स एण्ड आर्ट्स कॉलेज, रामबाग सर्किल	1976
स्व. श्री सिरहमल बम्ब समृति उद्योगशाला, रामबाग सर्किल	1975
एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, रामबाग सर्किल	1954
एस.एस. जैन सुबोध उच्च मा. विद्यालय, बापू बाजार	1925
एस.एस. जैन सुबोध बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सांगानेरी गेट	1918